

६. ऐ सखि !

पूरक पठन

- अमीर खुसरो



श्रवणीय

पहेलियाँ सुनें और सुनाएँ :-

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

- विद्यार्थियों को पहेलियाँ सुनाने के लिए कहें ।
- गुटों में पहेलियाँ बुझाने का आयोजन करें ।
- नई पहेलियाँ बनाने के लिए प्रेरित करें ।

रात समय वह मेरे आवे । भोर भये वह घर उठि जावे ॥
यह अचरज है सबसे न्यारा । ऐ सखि साजन ? ना सखि तारा ॥

वह आवे तब शादी होय । उस दिन दूजा और न कोय ॥
मीठे लागे वाके बोल । ऐ सखि साजन ? ना सखि ढोल ॥

जब माँगू तब जल भरि लावे । मेरे मन की तपन बुझावे ॥
मन का भारी तन का छोटा । ऐ सखि साजन ? ना सखि लोटा ॥

बेर-बेर सोवतहि जगावे । ना जागू तो काटे-खावे ॥
व्याकुल हुई मैं हक्की-बक्की । ऐ सखि साजन ? ना सखि मक्खी ॥

अति सुरंग है रंग रँगिलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो ॥
राम भजन बिन कभी न सोता । क्यों सखि साजन ? ना सखि तोता ॥

अर्धनिशा वह आयो भौन । सुंदरता बरनै कवि कौन ॥
निरखत ही मन भयो अनंद । क्यों सखि साजन ? ना सखि चंद ॥

शोभा सदा बढ़ावन हारा । आँखिन से छिन होत न न्यारा ॥
आठ पहर मेरो मनरंजन । क्यों सखि साजन ? ना सखि अंजन ॥

जीवन सब जग जासों कहै । वा बिनु नेक न धीरज रहै ॥
हरै छिनक में हिय की पीर । क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर ॥

बिन आए सबहीं सुख भूले । आए ते अँग-अँग सब फूले ॥
सीरा भई लगावत छाती । क्यों सखि साजन ? ना सखि पाती ॥

—०—

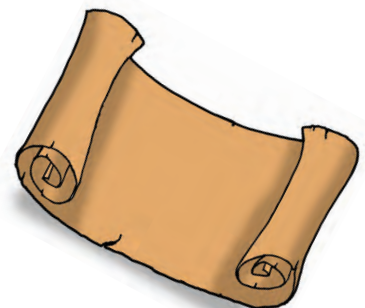
परिचय

जन्म : १२५३ पटियाली एटा (उ.प्र.)
मृत्यु : १३२५ **परिचय :** अबुल हसन यमीनुद्दीन मुहम्मद खुसरो जनसाधारण में अमीर खुसरो के नाम से प्रसिद्ध हैं । वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हिंदी, हिंदवी और फारसी में एक साथ लिखा । अमीर खुसरो अपनी पहेलियों और मुकरियों के लिए जाने जाते हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : तुहफा-तुस-सिगर, वसतुल-हयात, गुरातुल-कमा नेहायतुल-कमाल, दोहे-घरेलू नुस्खे, कह मुकरियाँ, दुसुखने, ढकोसले, अनमेलियाँ/उलटबाँसियाँ आदि।

पद्य संबंधी

मुकरियाँ : यह लोक प्रचलित पहेलियों का ही एक रूप है जिसका लक्ष्य मनोरंजन के साथ-साथ बुद्धिचातुर्य की परीक्षा लेना होता है ।

अमीर खुसरो ने इन मुकरियों के माध्यम से अपनी विशेष शैली में पहेलियाँ एवं उनके उत्तर दिए हैं



शब्द संसार

अचरज (पुं.दे.) = आश्चर्य
तपन (पुं.सं.) = गरमी, ताप
अर्धनिशा (स्त्री.सं..) = आधी रात
भौन (पुं.दे.) = भवन
अंजन (पुं.सं.) = काजल
हिय (पुं.सं.) = हृदय
बेर-बेर (क्रि.वि.) = बार-बार

संभाषणीय

‘जीवन में हास्य का महत्त्व’
पक्ष-विपक्ष में चर्चा कीजिए।

लेखनीय

सुवचनों का संकलन कीजिए तथा
सुंदर, सजावटी लेखन करके चार्ट
बनाइए। विद्यालय की दीवारों को
सजाइए।

पठनीय

किसी महिला साहित्यिक की जीवनी
का अंश पढ़िए, और उनकी प्रमुख
कृतियों के नाम बताइए।

आसपास

पहेलियों का संकलन कीजिए।

कल्पना पल्लवन

‘पुस्तकों का संसार, ज्ञान-मनोरंजन का
भंडार’ इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

पाठ के आँगन में

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) मुकरियों के आधार पर निम्नलिखित शब्दों की विशेषताएँ लिखिए :



अ.क्र.	शब्द	विशेषता
१	तोता	राम भजन किए बिना कभी न सोने वाला
२	नीर	
३	अंजन	
४	ढोल	

(ख) भावार्थ लिखिए : मुकरियाँ - १, ५ और ९

पाठ से आगे

प्राकृतिक घटकों पर आधारित पहेलियाँ
बनाइए और संकलन कीजिए।

रचना बोध